पुद्गल कोश भाग-१ (फोल्डर नं. ०१६०३०)

सम्पादक – मोहनलाल बाँठिया, श्रीचन्द चोरड़िया

मुख्य टाइटल
समर्पण
संकलन-सम्पादन में प्रयुक्त ग्रन्थों की संकेत सूची
जैन वाडमय का दशमलव वर्गीकरण मूल विभागों की रुपरेखा
०१ लोकालोक (जगत) और द्रव्य का वर्गीकरण
०६ अजीव-रुपी पुदगल का वर्गीकरण
०७ पुदगल परिणाम का वर्गीकरण
आशीर्वचन
दो शब्द
प्रकाशकीय
Foreword
प्रस्तावना
विषय सूची
०० शब्द विवेचन---१
.१ शब्द व्युत्पत्ति---१
०१.१ प्राकृत में पोग्गल शब्द की व्युत्पत्ति---१
०१.२ पाली में'पुदगल' शब्द की व्युत्पत्ति---१
०१.३ संस्कृत में 'पुदगल' शब्द की व्युत्पत्ति---२
.०२ पुदगल शब्द के प्राकृत में पर्यायवाली शब्द---२
.०३ विभिन्न भाषाओं में पुदगल शब्द के अर्थ---३
.०३.१ प्राकृत भाषा में 'पोग्गल' शब्द के अर्थ---३
.०३.२ पाली भाषा में 'पुग्गल' शब्द के अर्थ---३
.०३.३ संस्कृत भाषा में 'पुदगल' शब्द के अर्थ---४
.०४ सविशेषण ससमास-सप्रत्यय 'पोग्गल' शब्दोंक सूची---४
.०४ सविशेषण-ससमास-सप्रत्यय 'पोग्गल' शब्दोंकी परिभाषा---८
०५ परिभाषा के उपयोगी पाठ---३४
०५.१ पुदगल की परिभाषा के उपयोगी पाठ---३४
०५.२ परमाणु पुदगल की परिभाषा के उपयोगी पाठ---३९
०५.३ स्कंध पुदगल की परिभाषा के उपयोगी पाठ---४४
०६ प्राचीन आचार्यों द्वारा की गई परिभाषा---५१
०६.१ प्राचीन आचार्यों द्वारा की गई पुदगल की परिभाषा---५१
०६.२ प्राचीन आचार्यों द्वारा की गी परमाणु की परिभाषा---५३
०६.३ प्राचीन आचार्यों द्वारा की गई स्कंध पुदगल की परिभाषा---५६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

.०७ पुदगल के भेद ----------५७
०७.१ एक भेद ----------५७
०७.२ दो भेद ----------५७
०७.२.१ सूक्ष्म परमाणुं-व्यावहारिक परमाणु ----------५७
०७.२.२ कारण परमाणु-कार्य परमाणु----------५७
०७.२.३ भिन्न परमाणु तथा अभिन्न पुदगल----------५८
०७.२.४ भिदुरधर्मी पुदगल तथा नो भिदुरधर्मी पुदगल ----------५८
०७.२.५ परमाणु पुदगल तथा नो परमाणु पुदगल स्कंध ----------५९
०७.२.६ सूक्ष्म पुदगल तथा बादर पुदगल----------५९
०७.२.७ बद्धपार्श्व स्पृष्ट पुदगल तथा नोबद्धपार्श्वस्पृष्ट पुदगल----------५९
०७.२.८ पर्यायातीत पुदगल तथा अपर्यायातीत पुदगल----------६१
०७.२.९ आत्त पुदगल तथा अनात्त पुदगल----------६१
०७.२.१० ईष्ट पुदगल तथा अनिष्ट पुदगल---------- ६२
०७.२.११ कांत पुदगल और अकांत पुदगल---------- ६२
०७.२.१२ प्रिय पुदगल और अप्रिय पुदगल---------- ६२
०७.२.१३ मनोज्ञ पुदगल तथा अमनोज्ञ पुदगल ---------- ६३
०७.२.१४ मनोरम (मनाम) तथा अमनोरम (अमनाम) पुदगल---------- ६३
०७.३ तीन भेद ---------- ६३
०७.४ चार भेद
०७.५ पांच भेद ---------- ६५
०७.६ छः भेद---------- ६५
०७.६.१ पृथ्वी-जल आदि भेद ---------- ६५
०७.६.२ स्थूल-स्थूल आदि भेद---------- ६६
०७.७ उन्नीस भेद ---------- ६६
०७.८ तेईस भेद---------- ६७
०७.९ छब्बीस भेद---------- ६८
०७.१० पाँच सौ तीस भेद---------- ६९
०७.११ अनेक भेद ---------- ८६
०७.१२ अनंत भेद ----------८७
०७.०८ पुदगल पर विवेचन गाथा ----------८७
०८.१ पुदगल पर विवेचन गाथा ----------८७
०८.२ परमाणु पर विवेचन गाथा ---------- १०७
०८.९ नय और निक्षेप की अपेक्षा विवेचन---------- १२०
०९.०१ नय की अपेक्षा विवेचन---------- १२०
०९.२ निक्षेप क अपेक्षा विवेचन---------- १२८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१०/२९ औधिक पुदगल का विवेचन---------- १२८
११ पुदगल के गुण ---------- १२८
११.०१ द्रव्यत्व---------- १२८
११.०२ उत्पाद-व्य-ध्रौव्य स्वभाव---------- १२९
११.०३ नित्यता तथा अवस्थिति---------- १३३
११.०४ अजीवत्व---------- १३४
११.०५ अस्तिकायत्व---------- १३५
११.०६ रुपित्व-मूर्तत्व ---------- १३७
११.०७ वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- १३८
११.०८ स्वभाव गुण-विभावगुण ---------- १३९
११.०९ द्रव्यकर्म---------- १४०
११.१० द्रव्ययोग---------- १४०
११.११ द्रव्यस्थान ---------- १४१
११.१२ पूरण-गलन स्वभाव---------- १४२
११.१३ परिणमन---------- १४३
११.१४ परिणाम---------- १४४
११.१४.१ तीनों काल क अपेक्षा पुदगल-परिणाम ---------- १४४
११.१४.२ गुरुलघुत्व तथा अगुरुलघुत्व---------- १४७
११.१४.३ पुदगल परिणाम के भेद---------- १४७
क) तीन भेद---------- १४७
ख) चार भेद---------- १४७
ग) पाँच भेद---------- १४८
घ) दस भेद ---------- १४८
च) बाईस भेद ---------- १४८
छ) अनेक भेद---------- १४९
११.१५ ग्रहण गुण और परिभोग गुण ---------- १४९
११.१६ अवस्थान आदि गुण ---------- १५१
१२ पुदगल और पर्याय---------- १५१
१२.०१ पर्याय का लक्षण ---------- १५१
१२.०२ एकत्व-पृथकत्व ---------- १५२
१२.०३ संयोग-युति ---------- १५३
१२.०४ संबंधन-संघात---------- १५४
१२.०५ भेदन---------- १५४
१२.०६ परिशटन-परिपतन-विध्वंसन---------- १५५
१२.०७ क्रिया---------- १५५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१२.०७.१ सक्रियत्व ----------१५५
१२.०७.०२ एजनादि क्रिया ---------- १५६
१२.०७.०३ चलना क्रिया ----------१५८
१२.०७.०४ सकंपत-निष्कंपता ---------- १६०
१२.०८ गति----------१६१
१२.०८.०१ अनुश्रेणि गति----------१६१
१२.०८.०२ नोभवोपपात गति ---------- १६२
१२.०८.०३ निक्षिप्त पुदगल की गति ---------- १६२
१२.०८.०४ गुरुगत-प्रणोदनगति-प्राग्भारगति ---------- १६३
१२.०८.०५ विहायोगति----------१६४
१२.०८.०६ लोकबाह्यगति ---------- १६५
१२.०८.०७ गति-प्रतिघात---------- १६६
१२.०८.०८ गति-स्थान-अवगाहनक्रिया----------१६७
१२.०८.०९ चय-अपचय-छेदन-उपचय----------१६७
१२.०८.१० पुदगल और स्पर्शनिक्षेप ---------- १६८
१२.०८.१२ औपनिधिका द्रव्यानुपूर्वी ---------- १७१
१२.१३ पुदगल में भाव----------१७३
१ पुदगल और अनादिपारिणामिका भाव ----------१७३
२ पुदगल और सादि पारिणामिक ----------१७४
३ पुदगल और उदय-पारिणामिक भाव----------१७४
१२.१४ पुदगल और पर्याय संख्या ----------१७५
१ काय स्थिति वाले पुदगल और पर्याय संख्या ----------१७५
क) एक समय यावत असंख्यात समय स्थितिवाले पुदगल और पर्याय संख्या----------१७५
ख) जधन्य-उत्कृष्ट-अजधन्यअनुत्कृष्ट समय स्थितिवाले पुदगल और पर्याय संख्या ----------१८१
१२.१४.२ वर्ण-गंध-रस-स्पर्श की अपेक्षा पुदगल और पर्याय संख्या---------- १८३
क) एक गुण यावत अनंत गुण की अपेक्षा पुदगल और पर्याय संख्या ---------- १८३
ख) जधन्य-उत्कृष्ट-अजधन्य-अनुत्कृष्ट गुण ही अपेक्षा पुदगल और पर्याय संख्या---------- १९०
१२.१४.३ क्षेत्रावगाहित पुदगल और पर्याय संख्या---------- १९४
क) एक प्रदेशावगाढ यावत असंख्यात प्रदेशाबगाढ पुदगल और पर्याय संख्या---------- १९४
ख) जधन्य अवगाहना-उत्कृष्ट अवगाहना-अजधन्य-अनुत्कृष्ट अवगाहनावाले पुदगल और पर्याय संख्या ---------- २०१
१३ पुदगल की वर्गणा ---------- २०६
१ द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव की अपेक्षा पुदगल वर्गणा---------- २०६
२ भावहानिप्ररुपणा की अपेक्षा पुदगल की वर्गणा ---------- २०९
१४ पुदगल की आत्मा----------२११

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१५ पुदगल और संख्या ---------- २१२
१ द्रव्य की अपेक्षा पुदगलों की संख्या ---------- २१२
२ क्षेत्रावगाहित पुदगल की अपेक्षा संख्या ---------- २१३
३ काल-स्थिति की अपेक्षा पुदगल और संख्या ---------- २१४
४ भाव की अपेक्षा पुदगल और संख्या ---------- २१५
५ पुदगल और युग्म संख्या ---------- २१६
६ पुदगल अनन्त हैं ---------- २१८
७ जाति अपेक्षा से पुदगल अनंत हैं ---------- २१८
१६ पुदगलों की पारस्परिक तुलना ---------- २१८
१ द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव की अपेक्षा तुलना ---------- २१८
१७ पुदगल और क्षेत्र ---------- २२१
१ पुदगल लोकप्रमाण हैं ---------- २२१
२ पुदगल के लोक में सर्व दिशाओं में सर्वत्र हैं ---------- २२३
३ पुदगल के आकाशप्रदेश का अवगाहन ---------- २२४
४ पुदगल का लोक में अभाव ---------- २२७
१८ पुदगल और प्रदेश ---------- २२८
१ पुदगल के प्रदेश की अनंतता ---------- २२८
२ पुदगल के प्रदेश और द्रव्य-द्रव्यदेशत्व ---------- २२९
१९ पुदगल का सप्रदेशत्व-अप्रदेशत्व ---------- २३२
१ द्रव्य अपेक्षा ---------- २३२
२ क्षेत्र अपेक्षा ---------- २३२
३ काल अपेक्षा ---------- २३२
४ भाव अपेक्षा ---------- २३२
२० पुदगलों की स्पर्शना ---------- २३५
१ परमाणु पुदगल की स्पर्शना ---------- २३८
२ द्विप्रदेशादि स्कंध की स्पर्शना ---------- २३८
३ परमाणु पुदगल और वायुकाय की स्पर्शना ---------- २४२
४ स्कंध पुदगल और वायुकाय की स्पर्शना ---------- २४२
५ विशिष्ट पुदगल स्कंध और वायुकाय की स्पर्शना ---------- २४३
२१ पुदगल की विविध अपेक्षा से स्थिति ---------- २४३
१ संतति की अपेक्षा ---------- २४६
२ विवक्षित क्षेत्र की अपेक्षा ---------- २४६
३ एक रुप की अपेक्षा ---------- २४६
४ सकंपत्व की अपेक्षा ---------- २४७
५ निष्कंपत्व की अपेक्षा ---------- २४७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

६ वर्ण अपेक्षा----------२४८
७ गंध अपेक्षा----------२४८
८ रण अपेक्षा----------२४८
९ स्पर्श अपेक्षा----------२४८
१० सूक्ष्म परिणमन अपेक्षा----------२४९
११ बादर परिणमन अपेक्षा----------२४९
१२ शब्द परिणति अपेक्षा----------२४९
१३ अशब्द परिणति अपेक्षा----------२४९
२२ पुदगल का विविध अपेक्षा से अंतरकाल----------२५०
१ परमाणुत्व क अपेक्षा---------- २५३
२ स्कंधत्व की अपेक्षा---------- २५४
३ क्षेत्रान्तर की अपेक्षा---------- २५४
४ सकंपत्व अपेक्षा---------- २५४
५ निष्कंपत्व अपेक्षा---------- २५४
६ वर्णत्व अपेक्षा---------- २५७
७ गंधत्व अपेक्षा---------- २५७
८ रसत्व अनुक्षा---------- २५७
९ स्पर्शत्व अपेक्षा---------- २५७
१० सूक्ष्म परिणमन अपेक्षा---------- २५८
११ बादर परिणमन अपेक्षा---------- २५८
१२ शब्द परिणति अपेक्षा---------- २५८
१३ अशब्द परिणति अपेक्षा---------- २५८
२३ पुदगल और आकाशास्तिकाय---------- २५८
२४ पुदगलों का ज्ञान----------२५९
१ विषय का ग्रहण-ज्ञान----------२५९
क) रुप का ग्रहण चक्षुरिन्द्रिय द्वारा होता हैं----------२५९
ख) शब्द का ग्रहण श्रोत्रेन्द्रिय द्वारा होता हैं----------२५९
ग) गंध का ग्रहण ध्राणेन्द्रिय द्वारा होता हैं----------२५९
घ) रस का ग्रहण रसेन्द्रिय द्वारा होता हैं---------- २६०
ड) स्पर्श का ग्रहण स्पर्शेन्द्रिय द्वारा होता हैं---------- २६०
२ कर्मपुदगलों को ईन्द्रिय ज्ञान से नहीं जाना जाता हैं---------- २६१
३ पुदगल और अवधि ज्ञान---------- २६१
४ केवली को परमाणु पुदगल का ज्ञान----------२६२
क) केवली में एक समय दोनों उपयोग का निषेध----------२६२
५ स्कंध पुदगल का ज्ञान----------२६४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

६ छदमस्थ को पुदगल का ज्ञान----------२६५
७ निर्जरा के पुदगलों का ज्ञान----------२६५
२५ पुदगल के भेद और उनके उदाहरण----------२६७
१ अणु तथा स्कंध----------२६७
२५ पुदगल के भेद व उनके उदाहरण----------२६८
६ चार भेद----------२६८
७ छह भेद----------२६८
२६ पुदगल स्पर्श-रस-गंध-वर्णवाला हैं----------२७०
२७ पुदगल स्कंध कितने परमाणु के बने हुए होते हैं----------२७०
३०/४९ परमाणुं पुदगल----------२७१
३१ परमाणु पुदगल के गुण----------२७१
३१.१ द्रव्यत्व----------२७१
३१.२ शाश्वत-अशाश्वत----------२७२
३१.३ नित्यता-अनित्यता----------२७३
३१.४ अजीवत्व----------२७४
३१.५ पूरण-गलन स्वभाव----------२७४
३१.६ अनर्द्ध-अमध्य-अप्रदेशत्व----------२७४
३१.७ अच्छेध-अभेधत्व----------२७७
१ सूक्ष्म परमाणु का अच्छेध-अभेधत्व----------२७७
२ व्यावहारिक परमाणु का अच्छेध- अभेधत्व----------२७८
३ द्रव्य रुप से अच्छेध,गुण रुप से छेध भी हैं----------२८०
३१.८ उपचारतः- अस्तिकायत्व----------२८०
३१.९ रुपित्व-मूर्तत्व----------२८१
३१.१० वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------२८१
३१.११ अगुरुलघु----------२८३
३१.१२ परिणमन----------२८४
३१.१३ परमाणुपुदगल जीव के परिभोग में नहीं आता----------२८४
३१.१४ अनवकाश-सावकाश नहीं हैं----------२८५
३१.१५ अप्रदेशान्तत्व----------२८५
३१.१६ परमाणुओं में स्पर्श गुण की सिद्धि----------२८६
३१.१७ अविभागप्रतिच्छेद----------२८६
३२ परमाणुपुदगल और पर्याय----------२८७
३२.१ पर्याय का लक्षण----------२८७
३२.२ एकत्व-पृथगत्व----------२८८
३२.३ बंधन के नियम----------२८८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

३२.४ बंधन तथा भेदन---------- २९०
१ दो परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन---------- २९०
२ तीन परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन ---------- २९१
३ चार परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन---------- २९१
४ पाँच परमाणुपुदगलों का बंधन तथा भेदन---------- २९२
५ छह परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन---------- २९३
६ सात परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन ---------- २९४
७ आठ परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन---------- २९५
८ नव परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन ---------- २९७
९ दस परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन ---------- ३००
१० संख्यात परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन---------- ३०४
११ असंख्यात परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन ---------- ३०८
१२ अनंत परमाणु पुदगलों का बंधन तथा भेदन ---------- ३१०
३२.५ क्रिया---------- ३१२
२ सकंपता-निष्कंपता---------- ३१२
३ एजनादि क्रिया ---------- ३१३
३२ ६ गति ---------- ३१३
१ अनुक्षेणिगति ---------- ३१३
२ नोभवोपपातगति---------- ३१३
३ स्पृशदगति-अस्पृशदगति ---------- ३१३
४ प्रतिघात (गति का प्रतिहनन)---------- ३१४
३२.७ काल की संख्या का प्रविभक्त हैं---------- ३१४
३२.८ स्कंध का भेदक तथा कर्ता ---------- ३१५
३२.९ देशस्पर्श का अभाव ---------- ३१५
३२.१० अशब्द---------- ३१७
३२.११ पर्याय संख्या---------- ३१७
१ औधिक अपेक्षा---------- ३१७
२ समयस्थितिवाले ---------- ३२०
परमाणुपुदगल और पर्यायसंख्या---------- ३२०
३ वर्ण-गंध-रस-स्पर्शत्व अपेक्षा ---------- ३२३
३२.१२ भाव---------- ३३१
३३ परमाणु पुदगल की वर्गणा---------- ३३१
१ औधिक विवेचन---------- ३३१
३३ जीव और पुदगल---------- ३३३
१ जीव के द्वारा अग्राह्य वर्गणा---------- ३३३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

३४ परमाणु पुदगल की आत्मा ----------३३३
३५ परमाणु पुदगल और संख्या----------३३४
१ द्रव्य अपेक्षा ----------३३४
क) द्रव्य की अपेक्षा-गणनसंख्या ----------३३४
ख) द्रव्य की अपेक्षा युग्म संख्या ----------३३४
२ प्रदेश अपेक्षा---------- ३३५
३ क्षेत्रावगाहित परमाणु अपेक्षा---------- ३३५
प्रदेशावगाहन की अपेक्षा ---------- ३३५
४ कालस्थिति (समय) अपेक्षा ----------३३६
५ भाव अपेक्षा ---------- ३३७
३६ परमाणु पुदगल की उत्पत्ति के नियस ---------- ३३७
३७ परमाणु पुदगल की स्पर्शना ----------३३८
१ परमाणु पुदगल की अन्य परमाणु पुदगल से अथवा विविध प्रदेशी स्कंधो से स्पर्शना----------३३८
२ विविध प्रदेशी स्कंधो की परमाणु पुदगल से स्पर्शना----------३३९
३८ परमाणु पुदगल और वायुकाय----------३४०
३९ परमाणु पुदगल का चरम-अचरमत्व---------- ३४१
४० परमाणु पुदगल और क्षेत्र ----------३४६
१ परमाणु पुदगल का आकाश प्रदेश अवगाहन----------३४६
२ परमाणु पुदगल और क्षेत्र---------- ३४७
३ परमाणु और क्षेत्र ---------- ३४७
४१ परमाणु का एकैक (मान का एकैक)---------- ३४७
४२ परमाणु पुदगल ओर चार धातु ----------३४९
४३ परमाणु पुदगल और ओघ जधन्य ----------३५०
४४ परमाणु पुदगल के अस्तित्व का निरुपण----------३५१
४५ परमाणु पुदगल-सामग्री-जन्य (कारण समूह) नहीं हैं----------३५१
४६ परमाणु पुदगल का ज्ञान ---------- ३५२
४६ परमाणु पुदगल और विविध अपेक्षा से स्थिति---------- ३५५
१ संतति की अपेक्षा ---------- ३५५
२ विवक्षित क्षेत्र की अपेक्षा ----------३५६
३ स्वरुप की अपेक्षा----------३५६
४ सकंपत्व की अपेक्षा----------३५६
५ निष्कंपत्व की अपेक्षा----------३५६
४७ परमाणु पुदगल और विविध अपेक्षा से अंतरकाल---------- ३५७
१ परमाणु पुदगल और विविध अपेक्षा से अंतरकाल---------- ३५७
२ विवक्षित क्षेत्र की अपेक्षा ---------- ३५७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

३ सकंपत्व की अपेक्षा---------- ३५७
४ निष्कंपत्व की अपेक्षा---------- ३५८
४८ वर्गणा---------- ३५८
१ परमाणुवग्गणाम्मि ण अवरुक्कम्म च सेसगे अत्थि---------- ३५८
२ वर्गणा----------३५९
५ वर्गणा पर दृष्टान्त----------३६४
४९ परमाणु पुदगल और पुदगल परिवर्त----------३६४
५०.६९ स्कंध पुदगल----------३६५
५१ स्कंध पुदगल और विभाव गुण----------३६५
५१ स्कंध पुदगल के गुण----------३६५
५१.१ दव्यत्व ----------३६५
५१.२ स्कंध पुदगल शाश्वत भी हैं अशाश्वत भी हैं----------३६५
५१.३ नित्य तथा अवस्थित द्रव्य हैं---------- ३६६
५१.४ स्कंध पुदगल का अजीवत्व----------३६७
५१.५ स्कंध पुदगल का रुपित्व-मूर्तित्व ----------३६७
५१.६ स्कंध पुदगल-अनर्द्ध भी हैं, सार्द्ध भी हैं अमध्य भी हैं, समध्य भी हैं तथा सप्रदेशी हैं-------३६८
५१.६.१ स्कंध सप्रदेशी हैं----------३७०
५१.७ स्कंध पुदगल छिन्न-भिन्न होता भी हैं, नहीं भी होता हैं----------३७०
५१.८ स्कंध पुदगल का अस्तिकायत्व---------- ३७२
५१.९ स्कंध पुदगल के वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- ३७२
५१.९ स्कंध पुदगल में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- ३७३
१ द्विप्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------३८०
२ तीन प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श ---------- ३८१
३ चार प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------३८४
पाँच प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- ३८७
५१.९ छः प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श ----------३८९
सात प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------३९२
४ आठ प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------३९५
५ नव प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------३९७
६ दस प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श ----------३९८
७ संख्यात प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- ३९९
८ असंख्यात प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- ३९९
९ सूक्ष्म परिणति अनंत प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श---------- ३९९
१० बादर परिणामवाले अनंत प्रदेशी स्कंध में वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------४००
५१.९ स्कंध और स्पर्श ----------४०८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

५१.१० तीनों काल की अपेक्षा स्कंध परिणाम ---------- ४०९
५१.१० स्कंध पुदगल परिणामी हैं ---------- ४१०
३ द्रव्य का परिणाम ---------- ४११
४ परिणाम का लक्षण ---------- ४११
६ स्कंध देश ---------- ४१२
७ प्रदेश ---------- ४१२
८ परमाणु ---------- ४१३
५२ स्कंध पुदगल और पर्याय ---------- ४१३
५२.१ स्कंध पुदगल और पर्याय के लक्षण ---------- ४१३
५२.२ स्कंध पुदगल और एकत्व-पृथगत्व ---------- ४१४
५२.३ स्कंध पुदगल और बंधन के नियम ---------- ४१४
बंधन के नियम ---------- ४१५
५२.३ बंधन के नियम ---------- ४१५
५२.४ स्कंध पुदगल और बंधन तथा भेदन ---------- ४३४
५२.५ स्कंध पुदगल और पर्याय संख्या ---------- ४३५
५२.५.१ जधन्य-मध्यम-उत्कृष्ट प्रदेशी स्कंधों की संखा पर्याय ---------- ४४४
५२.५.१ अवगाहना की अपेक्षा स्कंध पुदगल की पर्याय ---------- ४४६
५२.५.१ अवगाहना की अपेक्षा स्कंध पुदगल की पर्याय ---------- ४४७
५२.५.१ क्षेत्रावगाहित स्कंध पुदगल और पर्याय संख्या ---------- ४४८
कावस्थिति वाले पुदगल और पर्याय संख्या ---------- ४५४
५२.५.२ जधन्य-उत्कृष्ट-अजधन्य-अनुत्कृष्ट समय स्थिति वाले पुदगल और पर्याय संख्या -------- ४५४
५२.५.३ वर्ण-गंध-रस-स्पर्श की अपेक्षा स्कंध पुदगल और पर्याय संख्या ---------- ४५८
४ स्कंध पुदगल अनंत हैं ---------- ४६८
५ द्रव्य देश से पुदगल अनंत हैं ---------- ४६९
२ स्कंध पुदगल के अनंत भेद ---------- ४६९
३ स्कंध की संख्या ---------- ४६९
४ स्कंध के भेद-अनंत ---------- ४६९
५ पुदगल अनंत हैं ---------- ४७०
५३ स्कंध का अवगाहन क्षेत्र ---------- ४७०
५४ स्कंध पुदगल और एजन-परिस्पंदन-कंपन ---------- ४७१
१ स्कंध पुदगल और एजनादि क्रिया ---------- ४७१
३ स्कंध पुदगल और सकंपता-निष्कंपता ---------- ४७२
५५ पुदगल की सक्रियता-अनित्यता ---------- ४७३
२ क्रिया की परिभाषा ---------- ४७३
३ स्कंध पुदगल की गति ---------- ४७३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

४ पुदगल की गति ---------- ४७४
५ स्कंध पुदगल और विहायोगति ---------- ४७४
६ देव और निक्षिप्त पुदगल गति ---------- ४७५
७ स्कंध पुदगल और गति ---------- ४७५
८ पुदगल और क्रिया ---------- ४७५
५६ पुदगल द्रव्य-निष्क्रिय-नित्य भी हैं ---------- ४७६
२ पुदगल उत्पाद-व्यय-ध्रौव्य गुणवाला हैं ---------- ४७६
३ जीव और पुदगल की गति ---------- ४७६
४ क्रिया परिसपंदात्मक हैं ---------- ४७७
५ पुदगल और क्रिया ---------- ४७७
६ दो भेद ---------- ४७७
५७ स्कंध पुदगल और भाव ---------- ४७७
५८ स्कंध पुदगल सामग्री जन्य (कारण-समूह) हैं ---------- ४७७
२ स्कंध कार्य-कारण रुप हैं ---------- ४७८
३ परिप्राप्तबंधपरिणामाः स्कन्धा ---------- ४७८
५ स्कन्ध पुदगलों की उत्पत्ति के कारण ---------- ४७८
५ पुदगल स्कन्ध की उत्पत्ति के कारण ---------- ४७९
५९ स्कन्ध पुदगल की पर्याय ---------- ४८०
६० स्कन्ध पुदगल-अगुरुलघु-गुरुलघु होता हैं ---------- ४८०
६१ गंध के पुदगल और वायुकाय ---------- ४८०
६२ स्कन्ध पुदगल के भेद ---------- ४८१
१ अणवः स्कंधाश्च ---------- ४८१
२ पुदगल के दो भेद ---------- ४८१
३ तीन भेद ---------- ४८२
स्कन्ध पुदगल के भेद ---------- ४८२
४ पुदगल द्रव्य के चार भेद ---------- ४८३
५ पुदगल विभाजन के प्रकार ---------- ४८३
६ स्कन्ध पुदगल ---------- ४८४
द्रव्य स्कन्ध के भेद ---------- ४८४
८ छ भेद ---------- ४८५
९ स्कंध के भेद ---------- ४८६
१० पुदगल के धर्म ---------- ४८६
स्कन्ध के भेद ---------- ४८६
६३ स्कंध पुदगल और परमाणु पुदगल ---------- ४८७
१ मिश्र स्कंध- अचित महास्कंध ---------- ४८७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

२ सूक्ष्मस्कंध-परिभाषा अर्थ---------- ४८७
३ बादर स्कंध-परिभाषा अर्थ---------- ४८७
४ भेदों की परिभाषा क्षर्थ----------४८८
५ स्कंध पुदगलों का सूक्ष्म परिणामावगाहन----------४८८
६४ स्कंध पुदगल और चरम-अचरम ----------४८९
२ स्कंध पुदगल और चरम-अचरम---------- ४९१
६५ वर्णणा---------- ४९७
१ परिभाषा/अर्थ---------- ४९७
२ अणुवर्गणा---------- ४९७
परिभाषा/अर्थ---------- ४९७
२ अणुवर्गणा----------४९८
परिभाषा/अर्थ----------४९८
३ भेद ----------४९९
४ परमाणु पुदगल द्रव्य वर्गणा का उदभव----------४९९
५ वर्गणाओं का वर्ण-गंध-रस-स्पर्श----------४९९
६ नयकी अपेक्षा वर्गणा का विवेचन----------५००
७ द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव के आश्रय स्कंध पुदगल की वर्गणा ---------- ५०१
१ द्रव्य अपेक्षा ---------- ५०१
२ क्षेत्र अपेक्षा---------- ५०१
३ काल अपेक्षा---------- ५०१
४ भाव अपेक्षा ----------५०२
५ प्रदेश अपेक्षा ----------५०२
६ अवगाहन अपेक्षा----------५०२
७ स्थिति अपेक्षा----------५०३
८ भाव अपेक्षा ----------५०३
१ वर्गणा---------- ५०५
२ वर्गणा----------५०६
३ वर्गणा के भेद ---------- ५०७
४ भेद---------- ५०७
५ पुदगल का ज्ञान----------५०८
१ अवधि ज्ञानी जीव किन-किन वर्गणाओं को जानता हैं----------५०८
६ पुदगल का ज्ञान----------५०९
अवधि ज्ञानी जव किन-किन वर्गणाओं को जानता हैं ----------५०९
७ वर्गणा ---------- ५१०
६६ स्कन्ध पदगल की आत्मा ---------- ५११

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१ द्विप्रदेशी स्कन्ध की आत्मा---------- ५११
२ तीन प्रदेशी स्कन्ध पुदगल की आत्मा---------- ५१३
३ चार प्रदेशी स्कन्ध पुदगल की आत्मा ---------- ५१६
४ पांच प्रदेशी स्कन्ध की आत्मा ---------- ५१८
५ छः प्रदेशी स्कन्ध, सात प्रदेशी यावत अनंत प्रदेशी स्कन्ध की आत्मा ---------- ५१८
६७ स्कन्ध की विविध अपेक्षा से स्थिति---------- ५२१
१) संतति की अपेक्षा---------- ५२२
२) विवक्षित क्षेत्र की अपेक्षा---------- ५२२
३) एक रुप की अपेक्षा---------- ५२२
४) सकंपत्व की अपेक्षा---------- ५२२
५) निष्कंपत्व की अपेक्षा---------- ५२२
२ स्कन्ध पुदगल और सकंपता-निष्कंपता की अपेक्षा स्थिति---------- ५२३
३ सूक्ष्म परिणमन अपेक्षा ---------- ५२४
४ बादर परिणमन अपेक्षा---------- ५२४
६८ स्कन्ध पुदगलों का ज्ञान---------- ५२४
२ जीव और पुदगलों का ज्ञान ---------- ५२४
३ पुदगल का ज्ञान---------- ५२५
मतिज्ञान से- शब्द-रस-स्पर्श-रुप-गंधादि का ज्ञान---------- ५२५
४ अवधि ज्ञानी-सर्व पुदगल द्रव्यों को जान सकता हैं----------५२६
परमाणु से अंतिम स्कंध पर्यन्त-रुपी द्रव्यों को अवधि दर्शन देखता हैं----------५२६
परमावधि ज्ञानी समस्त पुदगल द्रव्य और संख्यात पर्याय को जानता हैं----------५२६
परमावधि ज्ञानी एक प्रदेशावगाढ पुदगलों को जानता हैं----------५२६
५ पुदगल का ज्ञान---------- ५२८
अवधि ज्ञानी-सर्व पुदगलों को जान सकता हैं---------- ५२८
६ मनपर्यव ज्ञानी को पुदगलों का ज्ञान ---------- ५२८
मनः पर्यवज्ञानी-मनोवर्गणा के पुदगलों को जानता हैं ---------- ५२८
स्कंध पुदगल का ज्ञान ---------- ५२८
मनःपर्यवज्ञान अनंत-अनंतप्रदेशी स्कंध को जानता हैं ---------- ५२८
६ पुदगलों का ज्ञान ----------५२९
आहार के पुदगलों का ज्ञान----------५२९
६९ स्कंध पुदगल और संख्या---------- ५३१
१ द्रव्य की अपेक्षा स्कंध पुदगलों की संख्या---------- ५३१
स्कंध पुदगल की संख्या---------- ५३१
२ क्षेत्रावगाहित स्कंध पुदगल की संख्या---------- ५३१
६९.१ स्कंध पुदगल और युग्म संख्या ---------- ५३२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

द्रव्य की अपेक्षा स्कंध पुदगल की संख्या---------- ५३२
एक वचन की अपेक्षा,बहुवचन की अपेक्षा---------- ५३२
युग्म की अपेक्षा पुदगल स्कंध---------- ५३२
स्कंध पुदगल और युग्म---------- ५३३
स्कंध पुदगल की प्रदेशावगाढता---------- ५३३
स्कंध पुदगल की प्रदेशावगाढता---------- ५३३
स्कंध पुदगल और युग्म---------- ५३४
प्रदेश की अपेक्षा स्कंध पुदगल की संख्या ---------- ५३४
स्कंध पुदगल और युग्म---------- ५३५
प्रदेश की अपेक्षा स्कंध पुदगलों की संख्या---------- ५३५
२ पुदगल स्कंध चाक्षुष भी हैं तथा अचाक्षुष भी हैं----------५३६
७० स्कंध पुदगल का अंतरकाल ---------- ५३७
१ स्कंध पुदगल का अंतरकाल ---------- ५३७
२ स्कंध पुदगल की सकंपता का अंतरकाल---------- ५३७
७१ स्कन्ध पुदगल और तेजोलेश्या (शीत तेजोलेश्या-उष्ण-तेजोलेश्या)----------५३९
संक्षिप्त-विपुल तेजोलेश्या की प्राप्ति---------- ५४०
निर्जरा के पुदगलों की सूक्ष्मता ---------- ५४२
छदमस्थ को निर्जरित पुदगलों का ज्ञान---------- ५४३
विविध अपेक्षा से पुदगल और वर्णादि---------- ५४३
विविध अपेक्षा से पुदगल और वर्णादि---------- ५४४
स्कन्ध पुदगल और करण ---------- ५४४
७२ स्कंध पुदगल और भाव करण ---------- ५४५
७३ स्कंध और कर्म ---------- ५४५
१ पुदगल और ईर्यापथकर्म---------- ५४५
२ पुदगलविपाकी कर्म-प्रकृतियाँ ---------- ५४६
पुदगलविपाकी प्रकृतियाँ---------- ५४७
शरीर के पुदगल---------- ५४७
पुदगलविपाकी प्रकृतियाँ---------- ५४७
३ पुदगल और कर्मों का फलविपाक---------- ५४८
४ विविध ---------- ५४९
७४ जैनेतर ग्रन्थों में पुदगल ---------- ५४९
७५ पुदगल के-अणु(परमाणु) और स्कंध-भेद सादि परिणामवाले हैं, अनादि परिणामवाले नहीं हैं---------- ५४९
१ २ परमाणु द्रव्यतः नित्य हैं---------- ५४९
७६ स्कंध का भेदन ---------- ५५०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

७७ पुदगल का परिणमन----------५५१
७८ द्रव्य और भाव----------५५१
७९ नारकी और आहार के पुदगल---------- ५५२
नारकी और आहार के पुदगल---------- ५५२
नारकी और आहार के पुदगल---------- ५५३
७९ असुरकुमार यावत स्तनितकुमार देव के आहार के पुदगल---------- ५५४
३ पृथ्वीकायिक से वनस्पतिकायिक ---------- ५५४
त्रिन्द्रिय से चतुरिन्द्रिय ---------- ५५४
तिर्यंच पंचेन्द्रिययोनिक ---------- ५५५
मनुष्य-वाणव्यंतर-ज्योतिषी वैमानिकद्व ---------- ५५५
८० स्कध और अवगाहन क्षेत्र---------- ५५६
स्कंध पुदगल और क्षेत्रावगाह ---------- ५५७
पुदगल का क्षेत्रावगाह---------- ५५८
ज) विदयुत-पुदगल परिणाम---------- ५५८
लक्षण की परिभाषा---------- ५५९
पुदगला का एक भेद ---------- ५५९
८१ स्कंध ---------- ५५९
८२ पुदगल और पर्याय ---------- ५६१
१ पुदगल और पर्याय---------- ५६१
२ पुदगल और पृथकत्व ---------- ५६१
३ पुदगल के प्रदेश ----------५६२
८३ अल्पबहुत्व----------५६२
१ द्रव्य-प्रदेश की अपेक्षा पुदगल का अल्पबहुत्व----------५६२
२ द्रव्य की अपेक्षा पुदगल का अल्पबहुत्व---------- ५६५
३ पुदगल और आकाश ----------५६३
४ पुदगल अनंत हैं----------५६३
५ छ द्रव्यों की प्रदेश की अपेक्षा अल्पबहुत्व----------५६२
पुदगल अनंत हैं---------- ५६४
६ द्रव्य-प्रदेश-पर्याय की अपेक्षा अल्पबहुत्व ---------- ५६४
७ प्रदेश की अपेक्षा छः द्रव्यों का अल्पबहुत्व---------- ५६४
पुदगल अनंत हैं---------- ५६४
८ द्रव्य-प्रदेश की अपेक्षा छः द्रव्यों का अल्पबहुत्व---------- ५६५
९ दिशा की अपेक्षा पुदगल का अल्पबहुत्व ----------५६६
१० क्षेत्र की अपेक्षा पुदगल का अल्पबहुत्व----------५६६
११ अल्पबहुत्व- भेद की अपेक्षा ---------- ५६७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१२ अल्पबहुत्व-भेद की अपेक्षा ---------- ५६७
पुदगल के भेद की अपेक्षा परस्पर अल्पबहुत्व ---------- ५६७
१३ परमाणु पुदगल-स्कंध पुदगल का अल्पबहुत्व ----------५६८
द्रव्य की अपेक्षा ----------५६८
प्रदेश की अपेक्षा ----------५६८
द्रव्य-प्रदेश की अपेक्षा ----------५६८
१४ प्रायोगिक पुदगल ----------५६९
१ पुदगल स्कंध-शरीरवर्गणा का अल्पबहुत्व----------५६९
१५ प्रदेश की अपेक्षा वर्गणा का अल्पबहुत्व----------५६९
१६ शरीर के पुदगलों का प्रदेशरुप अल्पबहुत्व---------- ५७०
१७ पुदगल परिवर्तन का अल्पबहुत्व ---------- ५७०
पुदगल परिवर्तन (संख्या की अपेक्षा) ----------५७१
पुदगल परिवर्तन का अल्पबहुत्व ----------५७१
१८.१ वर्गणा की अपेक्षा अल्पबहुत्व----------५७१
१८.२ वर्गणा का अल्पबहुत्व ---------- ५७२
१८.३ वर्गणा ---------- ५७३
वर्गणा-अनुभाग स्थान ---------- ५७३
५ वर्गणा-स्पर्धक अल्पबहुत्व---------- ५७४
६ अल्पबहुत्व-स्पर्धक---------- ५७४
१ द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव की अपेक्षा सप्रदेश-अप्रदेश पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ५७५
२० आयुष स्थान की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ५७६
द्रव्यस्थानायु-क्षेत्रस्थानायु-अवगाहनास्थानायु और भावस्थानायु पुदगल का परस्पर अल्पबहुत्व---- ५७६
२१ द्रव्य की अपेक्षा क्षेत्रावगाह पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ५७६
२२ प्रदेश की अपेक्षा क्षेत्रावगाह पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ५७७
२३ प्रदेशावगाह पुदगलों में द्रव्य-प्रदेश-द्रव्य-प्रदेश की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ५७७
२ द्रव्य की अपेक्षा क्षेत्रावगाह पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ५७८
प्रदेश की अपेक्षा
द्रव्य-प्रदेश की अपेक्षा ---------- ५७८
द्रव्य प्रदेशार्थ की अपेक्षा---------- ५७९
२४ पुदगल और जीव का अल्पबहुत्व ---------- ५७९
२५ प्रदेश की अपेक्षा पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ५७९
२६ परमाणु तथा स्कंध पुदगलों का अल्पबहुत्व----------५८०
१ सकंप-निष्कंप परमाणुओं तथा स्कंधों पुदगलों का अल्पबहुत्व----------५८०
२७ पुदगल-स्थिति की अपेक्षा अल्पबहुत्व ----------५८१
१ द्रव्य-प्रदेश-द्रव्य-प्रदेश पुदगलों का अल्पबहुत्व ----------५८१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

द्रव्य की अपेक्षा स्थिति---------- ५८१
प्रदेश की अपेक्षा ---------- ५८१
द्रव्य-प्रदेश रुप में ---------- ५८२
२ समय स्थिति की अपेक्षा पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ५८२
२८ परमाणु पुदगल तथा स्कंध पुदगल का अल्पबहुत्व---------- ५८२
द्रव्य तथा प्रदेशी की अपेक्षा ---------- ५८४
२९ संस्थान की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ५८४
३० ईन्द्रिय तथा कर्कशगुरु-मृदुलघु का अल्पबहुत्व ---------- ५८५
१ कर्कशगुरु गुण की अपेक्षा ---------- ५८५
२ मृदुलघुगुण की अपेक्षा ---------- ५८५
३ कर्कश-गुरु गुण, मृदुलघु गुण की अपेक्षा----------५८६
३१ जीव दंडक की अपेक्षा- ईन्द्रिय के कर्कशगुरु-मृदुलघु का अल्पबहुत्व----------५८६
३२ एक गुण काला आदि की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ५८७
३३ तेईस वर्गणा का समवाय से विवेचन-अल्पबहुत्व---------- ५८८
३४ वर्ण-गंध-रस-स्पर्श की अपेक्षा पुदगलों का अल्पबहुत्व----------५८९
३५ वर्ण-गंध-रस-स्पर्श की अपेक्षा पुदगलों का अल्पबहुत्व ---------- ५९१
द्रव्य-प्रदेश-द्रव्यप्रदेश की अपेक्षा---------- ५९१
द्रव्य-प्रदेश की अपेक्षा ----------५९२
द्रव्य की अपेक्षा परमाणु पुदगल तथा पुदगल स्कंध का परस्पर अल्पबहुत्व----------५९२
प्रदेश की अपेक्षा परमाणु पुदगल तथा पुदगल स्कंध का परस्पर अल्पबहुत्व----------५९२
३६ पुदगल और अल्पबहुत्व ---------- ५९४
१ द्रव्य प्रदेश की अपेक्षा परमाणुपुदगल तथा पुदगल स्कंध का---------- ५९४
द्रव्य प्रदेश की अपेक्षा ---------- ५९४
२ द्रव्य-प्रदेश-द्रव्यप्रदेश की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ५९५
३ द्रव्य एवं प्रदेशों की अपेक्षा अल्पबहुत्व ----------५९६
३७ क्षेत्रावगाहित पुदगलों का अल्पबहुत्व ----------५९६
१ द्रव्य की अपेक्षा----------५९६
२ प्रदेशों की अपेक्षा ---------- ५९७
३ द्रव्य व प्रदेश की अपेक्षा---------- ५९७
३८ समय स्थिति की अपेक्षा अल्पबहुत्व ----------५९८
३ द्रव्य और प्रदेश की अपेक्षा अल्पहुत्व----------५९८
३९ गुण की अपेक्षा से पुदगल का अल्पबहुत्व----------५९९
द्रव्य रुप में---------- ६००
प्रदेश रुप में-प्रदेश-द्रव्य रुप से---------- ६०१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

४१ संख्यात प्रदेश में स्थित असंख्यात प्रदेशी परिमंडल संस्थान के अचरमखण्ड चरमखण्ड-
चरमान्त प्रदेश-अचरमान्त प्रदेशों का द्रव्य-प्रदेश रुप में अल्पबहुत्व---------- ६०१
द्रव्य रुप में---------- ६०२
प्रदेश रुप में ---------- ६०२
प्रदेश-द्रव्य रुप में ---------- ६०२
४२ संस्थान की अपेक्षा अल्पबहुत्व ---------- ६०३
१ द्रव्य की अपेक्षा---------- ६०३
२ प्रदेश की अपेक्षा---------- ६०३
३ संस्थान की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ६०४
द्रव्य तथा प्रदेश की अपेक्षा---------- ६०४
द्रव्य तथा प्रदेश की अपेक्षा---------- ६०४
४३ पुदगलपरिवर्तननिर्वर्तन काल की अपेक्षा अल्पबहुत्व---------- ६०४
पुदगल परिवर्त---------- ६०५
४४ प्रयोग परिणत-मिश्रपरिणत-विस्त्रसापरिणत पुदगल का अल्पबहुत्व---------- ६०६
४५ द्रव्य की अपेक्षा परमाणु पुदगल तथा दो प्रदेशी स्कंध का अल्पबहुत्व---------- ६०६
द्रव्य की अपेक्षा परस्पर स्कंध पुदगलों का अल्पबहुत्व---------- ६०६
४७ प्रदेश की अपेक्षा परमाणु पुदगल तथा दो प्रदेशी स्कंध का अल्पबहुत्व ---------- ६०७
५० परमाणु पुदगल तथा स्कंध पुदगल का अल्पबहुत्व ---------- ६०७
१ द्रव्य की अपेक्षा---------- ६०७
२ प्रदेश की अपेक्षा---------- ६०७
३ द्रव्यप्रदेश की अपेक्षा---------- ६०७
१ द्रव्य की अपेक्षा---------- ६०८
२ प्रदेश की अपेक्षा---------- ६०८
द्रव्यतः- प्रदेशतः अपेक्षा ---------- ६०८
५१ स्कंध का अल्पबहुत्व---------- ६०८
१ सकंप-निष्कंप स्कंध पुदगलों का अल्पबहुत्व ---------- ६०८
५२ पुदगल उपनिधिकी खेताणुपुव्वी---------- ६०९
५३ अल्पबहुत्व ---------- ६१०
५४ परमाणु-स्कंध का परस्पर अल्पबहुत्व---------- ६११
५५ सकंप-निष्कंप स्कंधों का अल्पबहुत्व---------- ६१२
५६ अल्पबहुत्व---------- ६१३
५९ व्यावहारिक परमाणु (स्कंध पुदगल) और उत्सेधांगुल ---------- ६१४
६० पुदगल का परिणाम ---------- ६१५
६१ वर्ण-रस-यावत गुणस्थान आदि भाव निश्चय नय से पुदगल परिणाम तथा व्यवहार नय से
जीव परिणाम हैं---------- ६१५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

८४ स्कंध और नय ---------- ६१७
१ निश्चय-व्यवहार नय से अजीव आदि के वर्णादि---------- ६१७
८५ पुदगलों का अवस्थान अनियम से होता हैं ---------- ६१७
८६ जीव और कर्म द्रव्यवर्गणा के पुदगल---------- ६१९
८७ विस्त्रसा पुदगल और दृष्टान्त---------- ६१९
पुदगल स्वभाव---------- ६२०
८८ पुदगल और पाप-पुण्य---------- ६२१
पुदगल और पुण्य ---------- ६२२
पुदगल---------- ६२२
८९ परमाणु-स्कंध ---------- ६२३
९० पुदगल-रुपी हैं---------- ६२४
९१ पुदगल और भाव ---------- ६२४
९२ स्कंध पुदगल व उपग्रह---------- ६२४
९३ किस प्रकार के कर्म द्रव्य वर्गणा के पुदगलों का भेदन होता हैं ---------- ६२४
१ किस प्रकार के आहारद्रव्यवर्गणा के पुदगलों को एकत्रित करते हैं---------- ६२५
२ किस प्रकार के कर्मद्रव्यवर्गणा के पुदगलों का उदीरण-वेदन---------- ६२५
निर्जीण होता हैं ---------- ६२५
३ किस प्रकार के कर्मद्रव्यवर्गणा के पुदगलों का अपवर्तन उदवर्तन-संक्रमण-निधत्तन-निकाचन
होता हैं ---------- ६२६
९४ पुदगल और अचित वायुकाय---------- ६२६
९५ अजीव परिणाम-पुदगल परिणाम---------- ६२७
१ भेद परिणाम---------- ६२७
भेद परिणाम पांच प्रकार का हैं ---------- ६२८
२ अगुरुलघुपरिणाम ---------- ६२९
३ संस्थान ---------- ६३०
पुदगल का संस्थान---------- ६३०
संस्थान के भेद ---------- ६३१
संस्थान के भेद ---------- ६३१
संस्थान---------- ६३२
संस्थान की संख्या ---------- ६३२
द्रव्यतः संख्या---------- ६३२
प्रदेश संख्या ---------- ६३३
संस्थान की संख्या ---------- ६३३
द्रव्य की अपेक्षा ---------- ६३३
प्रदेश की अपेक्षा ---------- ६३३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

४ पुदगल की अपेक्षा जीव के भेद ----------६३४
५ पुदगल द्रव्य का कार्य ----------६३४
६ पुदगल के लक्षण के विषय में कहा हैं----------६३६
पुदगल के गुण----------६३६
७ शब्द परिणाम----------६३६
७ शब्द----------६३७
८ बन्ध परिणाम----------६३९
वैस्त्रसिक बंध ----------६३९
पुदगल द्रव्य का जीव के साथ कर्म रुप में सम्बन्ध ----------६३९
पुदगल और संस्थान ----------६४०
बन्ध ----------६४०
९ सौक्ष्म्य----------६४१
१० स्थौल्य---------- ६६१
११ से १४ तम, छाया, आतप, उधोत तथा प्रभा----------६४२
११ तम ----------६४२
१२ छाया ----------६४२
१३ आतप----------६४२
१४ उधोत----------६४२
१५ प्रभा ----------६४२
पुदगल के गुण----------६४३
१६.१९ पुदगल के वर्ण-गंध-रस-स्पर्श के भेद----------६४४
पुदगल परिणाम----------६४४
वर्ण ---------- ६४५
पुदगल में स्पर्शादि गुण ---------- ६४५
पुदगल और दंडक के जीव----------६४६
शरीर के वर्णादि----------६४६
स्कंध पुदगल द्रव्य और चंचलता---------- ६४७
पुदगल उत्पाद-व्यय-ध्रौव्य वाला हैं---------- ६४७
पुदगलों के चार गुण ----------६४८
अध्ययन, गाथा, सूत्र आदि की संकेत सूची----------६४९
संकलन-सम्पादन-अनुसंधान में प्रमुख ग्रन्थों की सूची ----------६४९
लेश्या-कोश पर विद्वानों की सम्मति----------६५६
लेश्या- कोश पर विद्वानों की सम्मति----------६५८
लेश्या कोश ----------६६७
क्रिया कोश ----------६६७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

योग कोश ----------६६७
विद्वानों की सम्मति ----------६६७
मिथ्यात्वी का आध्यात्मिक विकास पर प्राप्त समीक्षा---------- ६६९
क्रिया-कोश पर प्राप्त समीक्षा ----------६७३
क्रिया-कोश पर प्राप्त समीक्षा ---------- ६७५
वर्धमान जीवन कोश, प्रथम खण्ड पर प्राप्त समीक्षा ----------६७६
वर्धमान जीवन-कोश, द्वितीय खंड की समीक्षा----------६८२
योग-कोश पर प्राप्त समीक्षा ----------६८७
लेश्या कोश, क्रिया कोश, योग कोश---------- ६९१
लेश्या कोश पर प्राप्त समीक्षा---------- ६९२
वर्धमान जीवन कोश, प्रथम खण्ड पर समीक्षा ---------- ६९६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org